उपकार

प्रवक्ता भर्ती परीक्षा

कला

(पी.जी.टी. के लिए)

लेखक

डॉ. एम. वसीम

एम.ए., पीएच.डी. (ड्राइंग एण्ड पेंटिंग)

उपकार प्रकाशन, आगरा

Introducing Direct Shopping

Now you can purchase from our vast range of books and magazines at your convenience :

- Pay by Credit Card/Debit Card or Net Banking facility on our website *www.upkar.in* *OR*
- Send Money Order/Demand Draft of the print price of the book favouring 'Upkar Prakashan' payable at Agra. In case you do not know the price of the book, please send Money Order/Demand Draft of ₹ 100/- and we will send the books by VPP (Cash on delivery).

(Postage charges FREE for purchases above ₹ 100/-. For orders below ₹ 100/-, ₹ 20/- will be charged extra as postage)

© लेखक
Rights of Printing & Publishing reserved with Publisher

प्रकाशक

उपकार प्रकाशन
हैड ऑफिस : 1 स्टेट बैंक कॉलोनी, निकट खन्दारी, आगरा-मथुरा बाई-पास, **आगरा**–282 005
रजि. ऑफिस : 2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर (शाह सिनेमा के सामने), **आगरा**–282 002
फोन : 2530966, 2531101
E-mail : care@upkar.in, **Website :** www.upkar.in

ब्रांच ऑफिस :

4845, अन्सारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन : 011–23251844,
43259035

पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना–800 004
फोन : 0612-2303340

16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा
आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036 (तेलंगाना)
फोन : 040–24557283

H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस
No. 15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी. एस. श्यामपुकुर,
कोलकाता–700 003 (W.B.)
फोन : 033–25551510

8-310/1, ए. के. हाउस,
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड)
मोबा. : 7060421008

- *इस पुस्तक को प्रकाशित करने में प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है, फिर भी किसी त्रुटि के लिए प्रकाशक जिम्मेदार नहीं होगा.*
- *इस पुस्तक को अथवा इसके किसी अंश को बिना प्रकाशक की लिखित अनुमति के, किसी भी रूप–फोटोग्राफी, विद्युत-ग्राफिक, यान्त्रिकी अथवा अन्य रूप में किसी भी प्रकार से उपयोग के लिए नहीं छापा जा सकता है.*
- *किसी भी परिवाद के लिए न्यायिक क्षेत्र केवल आगरा ही होगा.*

ISBN : 978-93-5013-019-3

Code No. 14

मुद्रक : उपकार प्रकाशन (प्रिंटिंग यूनिट) बाई-पास, आगरा

समर्पण

यह पुस्तक अपने भ्राता गुरु

श्री कपिल कुमार कटियार जी

अनुसचिव (उ0 प्र0 शासन)

को

सादर समर्पित करता हूँ,

जिनकी प्रेरणा और प्रोत्साहन मेरे निरर्थक

जीवन का महान् सम्बल बना ।

–डॉ. एम. वसीम

शुभकामना

डॉ. सरोज भार्गव

निदेशक, ललित कला संस्थान, आगरा.

पूर्व प्राचार्या, बैकुण्ठीदेवी कन्या महाविद्यालय,

आगरा ।

डॉ. एम. वसीम एक युवा चिन्तनशील लेखक हैं । इनकी लेखनी में शक्ति है, सृजनशीलता है । इन्होंने अपने कठोर परिश्रम से प्रवक्ता (P.G.T.) भर्ती परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम को प्रश्नोत्तरी के विविध आयामों को एकत्र कर एक उत्कृष्ट पुस्तक का रूप दिया है । इस पुस्तक में लघु प्रश्नोत्तरों का भी समावेश है ।

'प्रवक्ता भर्ती परीक्षा' के साथ ही अन्य कला सम्बन्धी परीक्षाओं के लिए भी यह पुस्तक उपयोगी सिद्ध होगी, ऐसा मेरा विश्वास है ।

मैं डॉ. एम. वसीम के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ ।

शुभकामनाओं सहित !

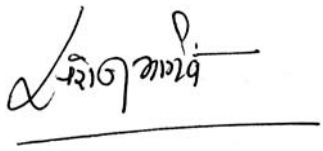

आमुख

आकाश के मनोहर चित्र-पट में परिवर्तित होती हुई आकृतियाँ प्रकृति के विस्तार और इन्द्रधनुषी आभा, चारों ओर स्वतन्त्रता के साथ विचरण करते जीव-जन्तुओं ने निश्चित ही कभी आदिमानव का मन मोहा होगा और किन्हीं मांगलिक क्षणों में इस धरा के प्रथुल वक्ष पर उसकी उंगलियों ने कुछ अंकित-सा किया होगा. काल-चक्र के अतीत खण्ड में कोई ऐसा ही अंकन छिपा होगा जहाँ कला चेतना की पहली किरण फूटी होगी. ऐसा लगता है कि गुफाओं पर मानव द्वारा निर्मित रेखांकन समूह इसी चेतना की वह कड़ी है जो मानव की कला जिज्ञासा का प्रमाण देती है.

आदिकाल में मानव द्वारा रेखांकन आज भी किसी न किसी रूप में जीवन्त है. जैसे-जैसे मनुष्य का विकास होता गया उसी के साथ उनमें निखार आता गया. कला के इस विकास क्रम में इतिहास सृजन के उदात्त शिखरों को स्पर्श करता हुआ समकालीन आधुनिक कला तक पहुँचा है. कला समाज का दर्पण है और समाज के सभी पक्षों के प्रभाव से यह अछूती नहीं रह सकती है.

प्रस्तुत पुस्तक में, भारतीय कला एवं पाश्चात्य कला (प्रागैतिहासिक काल से समकालीन आधुनिक तक) और उससे जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर पर्याप्त चर्चा की गई है जो उ. प्र. माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड द्वारा आयोजित 'प्रवक्ता' (PGT) भर्ती परीक्षा के निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार है. पुस्तक की उपयोगिता बढ़ाने के लिए पाठ्य सामग्री कुछ बढ़ा दी गई है जिससे 'प्रवक्ता' (PGT) के अतिरिक्त प्रशिक्षित स्नातक (TGT), उच्च शिक्षा आयोग द्वारा आयोजित 'प्राध्यापक' भर्ती परीक्षा, संविदा शिक्षक भर्ती परीक्षा नेट/जे.आर.एफ./सेट आदि सभी परीक्षार्थियों और एम.फिल, बी.एफ.ए., एम.एफ.ए., बी.वी.ए., एम.वी.ए., बी.ए., एम.ए. के छात्रों के लिए भी यह पुस्तक सहायक सिद्ध होगी. आशा है कला वर्ग के विद्यार्थी ही नहीं अपितु कला जिज्ञासु भी इसे पसन्द करेंगे.

मैं उन विद्वान् लेखकों व कलाकारों के प्रति कृतज्ञता प्रदर्शित करना अपना प्रथम कर्तव्य समझता हूँ, जिनकी पुस्तकों से व कलाकृतियों का इस पुस्तक सन्दर्भ सहयोग लिया गया है.

इस पुस्तक के लेखन में विशेष सहयोग डॉ. सरोज भार्गव (निदेशक–ललित कला संस्थान, आगरा) का रहा. मैं उनके प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करता हूँ जो समय-समय पर मुझे मार्गदर्शन करती रही हैं. उनकी भाभीजी श्रीमती साधनाजी का भी सहृदय आभार व्यक्त करता हूँ, जो निरन्तर मुझे प्रोत्साहित करती रहीं.

अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. हरेन्द्र कुमार सारस्वत के प्रति हृदय से आभार प्रकट करता हूँ, जिन्होंने मुझे हर कदम पर पूर्ण सहयोग प्रदान किया और उचित मार्गदर्शन व प्रोत्साहन देकर मेरे साहस को बढ़ाया. श्रीमती कल्पना सारस्वत बहन के प्रति हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने विषय के अनुरूप उपयुक्त शब्दावली के चयन में अपने सुझावों द्वारा इस पुस्तक की रचना में विशेष सहयोग प्रदान किया. विद्यालय स्टाफ के उन सभी साथियों को धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इस कार्य हेतु मेरा उत्साह बढ़ाया.

श्री गिर्राज प्रसाद (पूर्व निदेशक, राजकीय संग्रहालय, झाँसी), श्री राम सुमिरन यादव, श्री जसवीर सिंह सिकरवार, डॉ. सुधीन्द्र कुमार त्रिपाठी एवं डॉ. नवीन श्रीवास्तव, दिनेश कुमार केसरवानी, सतीश कुमार के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करता हूँ, जिनके अमूल्य विचारों से लाभान्वित हुआ.

डॉ. अभय नन्दन द्विवेदी, डॉ. आर.ए. शर्मा, श्री गजराज सिंह, श्री राधेश्याम शर्मा, श्री राजबहादुर वर्मा 'खन्ना', डॉ. गिर्राजकिशोर अग्रवाल, श्री कमल कपूर, डॉ. हृदय गुप्ता, डॉ. के.डी. पाण्डेय, डॉ. बृजेश कटियार, डॉ. आर. पी. पाण्डेय, डॉ. सन्ध्या पाण्डेय, डॉ. पूर्णिमा तिवारी, डॉ. चित्रलेखा सिंह एवं डॉ. प्रेमा श्रीवास्तव इन सभी गुरुओं के प्रति हृदय से आभारी हूँ, जिनके आशीर्वाद, प्रोत्साहन, मार्गदर्शन एवं सहयोग से ही मैं इस कार्य में सफल हो सका.

मेरे शुभचिन्तक श्री उपेन्द्र कुमार को अपनी कृतज्ञता के भाव प्रेषित करता हूँ, जिन्होंने हर मोड़ पर मुझे सहयोग देकर, अपना परम कर्तव्य समझा. परम हितैषी इंजीनियर ए.के. सिंह (J. E.) एवं उनकी पत्नी श्रीमती कुसुम सिंह का आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने प्रोत्साहन व सहयोग देकर मेरा मनोबल बढ़ाया.

इस पुस्तक की योजना से लेकर प्रकाशन तक मेरी पत्नी श्रीमती परवीन बानो ने मेरा निरन्तर उत्साहवर्धन एवं सहयोग प्रदान किया, अतः मैं उन्हें अपनी कृतज्ञता के भाव प्रकट करता हूँ.

अन्त में अपने पारिवारिक सदस्यों का जिनका मेरे लिए सहयोग रहा तथा उपकार प्रकाशन समूह का हृदय से आभारी हूँ जिनके अथक् प्रयास से मैं अपनी लेखनी को मूर्त रूप देने में सफल हो सका हूँ.

इस पुस्तक के सन्दर्भ में मनीषियों व पाठकों द्वारा प्रेषित आलोचनाओं एवं सुझावों का मैं सहर्ष स्वागत करूँगा, जिससे आगामी संस्करण में सुधार हो सकेगा.

–लेखक

डॉ. एम. वसीम

विषय-सूची

● गत वर्षों के हल प्रश्न-पत्र

अध्याय–1. प्रागैतिहासिक चित्रकला 3–14

- ● विश्व की प्रागैतिहासिक चित्रकला के प्रमुख केन्द्र 3
  - * अल्तामिरा (स्पेन) 3
  - * लास्को (फ्रांस/कागुल) 4
    - = लास्को चित्रण की कलात्मक विशेषताएँ 4
- ● भारत की प्रागैतिहासिक चित्रकला 4
- ★ **उत्तर प्रदेश के प्रमुख क्षेत्र**
  - = मिर्जापुर 5
  - = मनिकपुर (बांदा क्षेत्र) 5
- ★ **मध्य प्रदेश के प्रमुख क्षेत्र**
  - = भीमबेटका 5
  - = सिंघनपुर (रायगढ़ क्षेत्र) 5
  - = पचमढ़ी 6
  - = होशंगाबाद 6
- ▲ प्रागैतिहासिक गुफा चित्रों की विशेषताएँ 6
- ■ वस्तुनिष्ठ प्रश्न 7

अध्याय–2. भित्ति चित्रण की परम्पराएँ एवं प्रमुख कला केन्द्र 15–27

- ● अजन्ता फ्रेस्को 15
- ● जयपुर फ्रेस्को 15
  - (अ) फ्रेस्को बूनो 16
  - (ब) फ्रेस्को सेक्को 17
- ● प्रमुख कला केन्द्र 18
- ■ वस्तुनिष्ठ प्रश्न 21

अध्याय–3. भारतीय लघु चित्रकारी और उसकी प्रमुख शैलियाँ 28–52

- ● पाल शैली 28
  - * पाल शैली के चित्र 28
- ● गुजरात शैली 28
- ● जैन शैली 28
- ● अपभ्रंश शैली 29
- ● राजस्थानी चित्रकला
  - * मेवाड़ शैली 30
  - * नाथद्वारा शैली 30
  - * जोधपुर शैली 30
  - * बीकानेर शैली 30
  - * किशनगढ़ शैली 31
  - * कोटा शैली 31
  - * बूँदी शैली 31
  - * अलवर शैली 32
  - * जयपुर शैली 32
  - * मालवा शैली 32
- ● मुगलकालीन कला
  - * बाबरकालीन चित्रकला 32
  - * हुमायूँकालीन चित्रकला 32
  - * अकबरकालीन चित्रकला 33
  - * जहाँगीरकालीन चित्रकला 33
  - * शाहजहाँकालीन चित्रकला 34
  - * औरंगजेबकालीन चित्रकला 34
- ▲ मुगल शैली की विशेषताएँ 34
- ● पहाड़ी चित्रकला
  - * गुलेर शैली 35
  - * काँगड़ा शैली 35
  - * बसौली शैली 36
  - * चम्बा शैली 36
  - * कुल्लू शैली 36
  - * गढ़वाल शैली 36
  - * मण्डी शैली 36
  - * जम्मू शैली 36
  - * सिख शैली 36

- कुछ अन्य महत्वपूर्ण शैलियाँ व कलाएँ 37
  - * दक्खिनी चित्र शैली 37
  - * मधुबनी शैली 37
  - * लोक शैली 37
  - * कालीघाट या बाजार चित्र शैली 37
- ■ वस्तुनिष्ठ प्रश्न 37

अध्याय–4. कम्पनी स्कूल (पटना शैली) 53–55

- कम्पनी शैली की मुख्य विशेषताएँ 53
- राजा रवि वर्मा 54
- ■ वस्तुनिष्ठ प्रश्न 54

अध्याय–5. भारतीय समकालीन चित्रकला (धाराएँ एवं प्रसिद्ध चित्रकार) 56–89

- भारतीय चित्रकला का पुनरुत्थान (बंगाल शैली) 56
  - * बंगाल शैली की विशेषताएँ 56
- ई. बी. हैवेल का योगदान 56
- अवनीन्द्रनाथ ठाकुर 57
- नन्दलाल बसु 57
- असित कुमार हल्दार 58
- देवी प्रसाद राय चौधरी 58
- क्षितीन्द्रनाथ मजूमदार 58
- अब्दुर्रहमान चगुताई 58
- के. वेंकटप्पा 59
- शारदा चरण उकील 59
- विनोद बिहारी मुखर्जी 59
- रामकिंकर बैज 59
- कनु देसाई 60
- सुधीर रंजन खास्तगीर 60
- मनीषी डे 60
- शैलेन्द्रनाथ डे 60
- मुकुल चन्द्र डे 60
- रामगोपाल विजयवर्गीय 60

✣ नई दिशाएँ

- रबीन्द्रनाथ टैगोर 61
- गगनेन्द्रनाथ ठाकुर 61
- जॉर्ज कीट 61
- यामिनी राय 61
- अमृता शेरगिल 61
- निकोलस रोरिक 62

✣ समकालीन चित्रकार

- एन. एस. बेन्द्रे 62
- के. के. हेब्बर 62
- विकास भट्टाचार्य 62
- के. एस. कुलकर्णी 62
- भावेश सान्याल 62
- के. सी. एस. पणिक्कर 62
- मनुपारेख 62
- जगदीश स्वामीनाथन 62
- कृष्णा रेड्डी 63
- बी. प्रभा 63
- एम. एफ. हुसैन 63
- फ्रांसिस न्यूटन सूजा 63
- सैयद हैदर रजा 63
- के. एच. आरा 63
- तैयब मेहता 63
- रणवीर सिंह बिष्ट 63
- शैलोज मुखर्जी 64
- आलमेलकर 64
- जे. सुल्तान अली 64
- जहाँगीर साबावाला 64
- के. जी. सुब्रमण्यम (मनी) 64
- रामकुमार 64
- जे. राम पटेल 64
- हिम्मतशाह 64
- गुलाम मोहम्मद शेख 65
- सतीश गुजराल 65
- रविशंकर रावल 65
- शान्ति दबे 65
- ■ वस्तुनिष्ठ प्रश्न 65

अध्याय–6. बाइजेण्टाइन चित्रकला एवं स्टेनग्लास 90–93

- बाइजेण्टियम और ईसाई कला 90
  - * बाइजेण्टाइन कला के रूप 91
- ■ वस्तुनिष्ठ प्रश्न 91

अध्याय–7. गोथिक चित्रकला का इतिहास 94–97

- ■ वस्तुनिष्ठ प्रश्न 95

अध्याय–8. पुनरुत्थान एवं चरम पुनरुत्थान-कालीन यूरोपीय चित्रकला 98–106

- **पुनरुत्थानकाल** 98
  - * फ्लोरेन्स की कला 98
  - * फ्रा एन्जेलिको 98
  - * मासाच्चिओ 98
  - * सान्द्रो बोत्तिचेल्ली 99

- **चरम पुनरुत्थानकाल** 99
  - * लिओनार्डो दा विन्शी 99
  - * माइकेल एन्जिलो 100
  - * रैफेल सांजियो 101
- **वेनिस के कलाकार**
  - * ज्योर्जिओन 101
  - * तिशिअन 101
- ■ वस्तुनिष्ठ प्रश्न 102

अध्याय–9. नवशास्त्रीय एवं अभिव्यंजनावादी चित्रकला 107–113

- **नवशास्त्रीय कला** 107
  - * जेक्विस लुइस दाविद 107
  - * आन्त्वाइन ज्याँ ग्रॉस 107
  - * जीन अगुर्त डोमिनिक आंग्र 107
  - * मेडम एलिजाबेथ लुइस विगी लीबर्न 107
- **स्वच्छन्दतावादी कला** 107
  - * जेरीकॉल्त थियोडोर 107
  - * फर्डिनाण्ड विक्टर युगने देलाक्रा 107
  - * जोसेफ मलोर्ड विलियम टर्नर 107
  - * थॉमस गिर्टिन 108
  - * पीटर डी विण्ट 108
  - * डेविड कॉक्स 108
  - * जॉन कॉन्स्टेबल 108
  - * रिचर्ड पार्क बोनिंगटन 108
  - * जोन क्रोम 108
  - * जोन सेल कॉटमेन 108
  - * विलियम ब्लेक 109
- ■ वस्तुनिष्ठ प्रश्न 109

अध्याय–10. यूरोपीयवाद, प्रसिद्ध कला एवं चित्रकार 114–127

- **प्रभाववाद** 114
  - * एद्धार माने 114
  - * क्लोद मोने 114
  - * कामील पिसारो 115
  - * एद्गार देगा 115
  - * ओगुस्ते रेन्वार 115
  - * तुलुज लोत्रेक 115
- **उत्तर प्रभाववाद** 115
  - * पॉल सेजान 115
  - * विन्सेन्ट वान गो 116
  - * पाल गॉगिन 116
- **घनवाद** 116
  - * पाब्लो पिकासो 117
  - * जॉर्ज ब्राक 117
  - * जुआन ग्रिस 118
  - * फर्नाण्ड लेजे 118
- **अभिव्यंजनावाद** 118
  - * एडवर्ड मुंच 118
  - * फर्डिनांड होडलर 118
  - * जेम्स एन्सोर 118
  - * पौला मोडेसोन बेकेर 118
  - * एमिल नोल्डे 119
  - * रिव्रस्टियन रोल्फ्स 119
- बूके चित्रकार मण्डल 119
- ब्लौ राइटेर मण्डल 119
- दादावाद 119
- अतियथार्थवाद 119
- ■ वस्तुनिष्ठ प्रश्न 120

अध्याय–11. पूर्व एवं पश्चिम की सौन्दर्य-शास्त्र की तुलनात्मक व्याख्या 128–133

- **भारतीय दार्शनिक**
  - * वात्स्यायन 129
  - * अभिनव गुप्त 129
  - * रबीन्द्रनाथ टैगोर 129
  - * आनन्द कुमार स्वामी 130
  - * आचार्य रामचन्द्र शुक्ल 130
- **पाश्चात्य दार्शनिक**
  - * प्लेटो 130
  - * अरस्तू 130
  - * प्लॉटिनस 131
  - * काण्ट 131
  - * हीगेल 131
  - * रस्किन 131
  - * क्रोचे 132
  - * टॉल्सटॉय 132
- ■ वस्तुनिष्ठ प्रश्न 132

अध्याय–12. रस और सौन्दर्यबोध का कला में स्थान 134–159

- भरतमुनि का रस सिद्धान्त 134
  - * भाव और रस 134
  - * भावों के प्रकार 134
  - * रस-निष्पत्ति 135
- ■ वस्तुनिष्ठ प्रश्न 135
- ❑ परिशिष्ट (क) 139–146
- ❑ परिशिष्ट (ख) : भारतीय एवं पाश्चात्य कलाकार और उनकी कृतियाँ 147–159

चित्र-सूची

क्रम	चित्र शीर्षक	सम्बन्धित चित्रकार/कला
1.	जंगली सुअर	प्रागैतिहासिक
2.	अश्व	प्रागैतिहासिक
3.	आहत सुअर	प्रागैतिहासिक
4.	शिकार नृत्य	प्रागैतिहासिक
5.	अश्वारोही	प्रागैतिहासिक
6.	बोधिसत्व पद्मपाणि	अजन्ता शैली
7.	राव राजा प्रताप सिंह की छतरी के भित्ति चित्र	अलवर शैली
8.	अवलोकितेश्वर	पाल शैली
9.	चम्पावती एवं विल्हन	अपभ्रंश शैली
10.	बनी ठनी	निहाल चन्द्र
11.	सलीम का जन्म	बसावन
12.	टर्कीकाक	मंसूर
13.	मिट्टी के खिलौने की दुकान	पटना कलम
14.	नारी	राजा रवि वर्मा
15.	धर्मकेतु की झोपड़ी में अभय देवी	अवनीन्द्रनाथ ठाकुर
16.	पूजा	नन्दलाल बोस
17.	संगीत	असित कुमार हल्दार
18.	पशुपालन (पालित मृग)	क्षितीन्द्रनाथ मजूमदार
19.	श्रम की विजय	डी. पी. राय चौधरी
20.	पार्श्व चित्र	रामकिंकर बैज
21.	कृष्ण गोपियों के साथ	रामगोपाल विजयवर्गीय
22.	ऊँट और ऊँटवाले	अमृता शेरगिल
23.	कर्बला	एम. एफ. हुसैन
24.	महारानी थियोडोरा तथा अनुचर	मणिकुट्टिम–बाइजेन्टाइन
25.	रोज विन्डोज	गोथिक
26.	मोनालिसा	लियोनार्डो द विंशी

27.	सिस्टाइन चैपल	माइकेल एन्जिलो
28.	पोपलियो दशम्	रैफेल
29.	साक्रेटिस की मृत्यु	दाविद
30.	मेदुसा का बेड़ा	जेरीकॉल्त
31.	मोरक्को का सुलतान	देलाक्रा
32.	लड़ाकू जहाज (युद्धपोत)	टर्नर
33.	चारे की गाड़ी	जॉन कान्स्टेबल
34.	जेल की यातना	वान गो
35.	पीले ईसा	पॉल गॉगिन
36.	गोर्निका	पिकासो
37.	यंग गर्ल विद गिटार	ब्राक
38.	द क्राई	एडवर्ड मुंच